तर्ज -- ना तो कारवां की तलाश है

मेरा सतगुरू प्राण प्यारा है
मेरा आसरा है सहारा है
1--दे के रोशनी निजनाम की
मुझे भव सागर से तारा है
गई भूल थी निजनाम को
अखंड श्री परमधाम को
मुझे कृपा सिन्धु जगा रहे
मेरी जिदंगी को सवांरा है
2--कृपा की बातें वो करे
जिस पर है कृपा आपकी
हर दम वह दिखाई दे रहे
हमें चरणो का ही सहारा है
3--हमे ज्ञान ऐसा सुना रहे
निजघर का रस्ता दिखा रहे
मुझे मोह माया से छुड़ा रहे
मुझे प्यार से ही पुकारा है

Nijanand App

4--ये जो तारतम का ज्ञान है
मेरा जीवन है मेरा प्राण है
मेरे हादी का फुरमान है
जिसने सचराचर को तारा है
5--ये चरण कमल सुखदाई है
इनमे सब शांति समाई है
ऐसी ज्योति रत्न जगाई है
किया सब जग में उजियारा है

Nijanand App